SURYA FOUNDATION

सूर्या फाउण्डेशन
आदर्श गाँव योजना

मासिक ई पत्रिका अंक 23

अप्रैल 2022

चयनित आदर्श गाँव

मेरा गाँव
प्यारा गाँव
सुखी गाँव
सुन्दर गाँव

"देश हमेशा शांति, एकता
सद्भावना से ही चलता है।
सबको एक साथ लेकर चलना ही
हमारी सभ्यता और संस्कृति है।"

- मा. प्रधानमंत्री, श्री नरेन्द्र मोदी

ग्रामवासियों ने एकजुट होकर मनाया भारतीय नववर्ष
(नांदियाकला - राजस्थान)

आज के इस भौतिकतावादी युग में समाज के लोग अपनी संस्कृति को भूलकर पश्चिमी संस्कृति को अपना रहे है। जोकि बहुत ही दुखद है। भारतीय संस्कृति को बढ़ाने हेतु आदर्श गाँव नांदियाकला के युवाओं का प्रयास बहुत ही सराहनीय है। प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी गाँव में भारतीय नववर्ष के कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के अवसर पर युवाओं के द्वारा 1 दिन पूर्व, गाँव के सभी मंदिरों, गलियों के साथ-साथ मुख्य सड़कों की साफ-सफाई की गयी। साथ ही गोसाईं युवा समिति के कार्यकर्ताओं के माध्यम से प्रत्येक परिवार में पताका का वितरण किया गया। चौराहों और मंदिरों को रंगोली से सजाया गया। इस अवसर पर एक विशाल शोभा यात्रा एवं प्रभात-फेरी निकाली गयी, जिसमें समस्त ग्रामवासियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

राम दरबार, राधा-कृष्ण, भोलेनाथ आदि की झांकियां सजाई गई। इस कार्यक्रम में आए मुख्य वक्ता संत श्री रामविचार जी महाराज ने कहा कि जागृत समाज ही राष्ट्र का आधार होता है। जब-जब समाज सुप्त अवस्था में आया है, देशद्रोह की गतिविधियाँ बढ़ी हैं। राष्ट्र विरोधियों के सम्मुख जब समाज अंगड़ाई लेकर खड़ा होता है तो नवीनता का संचार होता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में खासकर नशाखोरी ने समाज में अपनी गहरी पैठ बना ली है, इसे हम लोगों को खत्म करना है। हम सभी को संकल्प लेना है कि हमें नशा नहीं करना है। कार्यक्रम के प्रारंभ में युवा सरपंच श्री जसवंत सिंह भाटी जी के द्वारा संत श्री रामविचार महाराज जी का शॉल, पटका तथा श्रीफल देकर स्वागत किया गया। इस कार्यक्रम में लगभग 1500 से ज्यादा ग्रामवासी उपस्थित रहे।

अन्य कार्य

- अंबेडकर व महावीर जी की जयंती मनाई गई।
- युवाओं द्वारा गोसाईं मंदिर पर प्याऊ लगाया गया।
- राम-सीता स्वयं सहायता समूह का खाता खुलवाया गया।

DOCUMENTARY facebook

संस्कार केन्द्र पर कराई गयी 'कौन बनेगा स्वस्थ रक्षक' प्रतियोगिता
(नगलावर - मथुरा)

स्वस्थ भारत - सुखी परिवार

सूर्या फाउण्डेशन - आदर्श गाँव योजना द्वारा चयनित आदर्श गाँव नगलावर में चलाए जा रहे संस्कार केंद्र पर **स्वस्थ भारत - सुखी परिवार** के सपनों को साकार करने के लिए विद्यार्थियों को प्राकृतिक चिकित्सा, योग, आध्यात्मिक शिक्षा व नैतिक शिक्षा के प्रति जागरुक करने के लिए **कौन बनेगा स्वास्थ्य रक्षक प्रतियोगिता** का आयोजन किया गया। बच्चों को कौन बनेगा स्वास्थ रक्षक पुस्तक 1 माह पूर्व पढ़ने के लिए दी गयी। इस पुस्तक को बड़ी लगन से पढ़ने के बाद बच्चे परीक्षा में बैठे। परीक्षा देने के बाद बच्चों का परिणाम आया तो उनकी खुशी साफ-साफ दिखाई दी।

सभी बच्चे अच्छे अंकों से पास हुए। इस परीक्षा का उद्देश्य बच्चों को स्वास्थ्य के प्रति जागरुक करना था। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तभी हमारे देश का भविष्य भी उत्तम रहेगा। आज के युग में निरंतर जंक फूड का प्रचलन बढ़ता जा रहा है, जिसका सबसे अधिक प्रभाव बच्चों में देखने को मिलता है। बच्चों में योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा द्वारा स्वास्थ्य के प्रति जागरुकता बढ़ाने के लिए इस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को स्मृति चिह्न तथा प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस परीक्षा के बाद बच्चों के खान-पान व परिवार के खानपान में बदलाव देखने को मिला है। अब बच्चे एक स्वस्थ भारत सुखी परिवार की ओर बढ़ रहे हैं, इस कार्यक्रम में 30 बच्चों ने भाग लिया। सभी बच्चों को सहभागिता प्रमाण-पत्र दिया गया।

facebook

अन्य कार्य -

- भजन संध्या का आयोजन किया गया जिसमें 70 लोग उपस्थित रहे।
- माँ गंगा स्वयं सहायता समूह का गठन किया गया।
- सूर्या यूथ क्लब पर कबड्डी प्रतियोगिता कराई गई, जिसमें 26 संख्या रही।
- हनुमान प्रकटोत्सव कार्यक्रम पर हनुमान चालीसा का पाठ किया गया, इसमें 21 लोग रहे।
- सूर्या संस्कार केंद्र पर महापुरुषों की चित्रकला प्रतियोगिता कराई गई, जिसमें 25 बच्चों ने भाग लिया।
- हिंदू नववर्ष के अवसर पर घर-घर ओम पताका लगाई गई घरों में ॐ , शुभ लाभ लिखाया गया।

DOCUMENTARY

सामाजिक समरसता बढ़ाने हेतु स्वयं सहायता समूह द्वारा पहल
(नयागांव - हरियाणा)

सूर्या फाउण्डेशन-आदर्श गाँव योजना के अंतर्गत नयागांव में स्वयं सहायता समूह के माध्यम से चैत्र शुक्ल प्रतिपदा (भारतीय नववर्ष) के कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें 150 घरों में भगवा ध्वज वितरण किया। यह सब कार्य स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के द्वारा किया गया। सभी ग्रामवासियों को भारतीय नववर्ष की शुभकामनाएं दी गयी। भारतीय नववर्ष हम क्यों बनाते हैं? कैसे बनाते हैं? इसके विषय में प्रत्येक घर में जाकर समझाया गया।

चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि को गुड़ी पड़वा का पर्व मनाया जाता है। गुड़ी पड़वा एक ऐसा पर्व है, जिसकी शुरुआत के साथ सनातन धर्म में कई सारी कहानियां जुड़ी हैं। गुड़ी पड़वा के दिन से ही चैत्र नवरात्रि का भी प्रारंभ होता है। साथ ही इसे हिंदू नववर्ष की शुरुआत भी माना जाता है। गुड़ी पड़वा को उगादी और नव संवत्सर भी कहते हैं। लोग गुड़ी पड़वा को नए साल के पहले दिन के रूप में मनाते हैं। चैत्र मास प्रारंभ होते ही भारतीय नववर्ष यानी विक्रम संवत की शुरुआत हो जाती है। वैसे तो भारतीय नव वर्ष बहुत प्राचीन काल से चलता आ रहा है, लेकिन कहा जाता है कि करीब 2057 ईसा पूर्व विश्व सम्राट विक्रमादित्य ने नए सिरे से इसे स्थापित किया, जिसे विक्रमी संवत भी कहा जाता है। इस विक्रम संवत को पूर्व में भारतीय संवत का कैलेंडर भी कहा जाता था।

आज भारतीय नव वर्ष को हर प्रदेश में अलग-अलग नाम से जाना जाता है। गुड़ी पड़वा, होला मोहल्ला, युगादि, विशु, वैशाखी, कश्मीरी नवरेह, उगाड़ी, चेटीचंड, चित्रैय, तिरूविजा, इन सभी की तिथि संवत्सर के आसपास ही पड़ती है। हालांकि मूल रूप से इसे नव संवत्सर और विक्रमी संवत कहा जाता है।

अन्य कार्य -

- मिनीपीडीसी में 45 भैया-बहनों ने हिस्सा लिया। समापन में ग्राम प्रधान श्री राजवीर जी मौजूद रहे।
- अंबेडकर जयंती मनाई गई, जिसमें 24 बच्चे उपस्थित हुए।
- हनुमान जयंती पर संस्कार केंद्र के बच्चों द्वारा 11 बार हनुमान चालीसा का पाठ किया गया।

facebook DOCUMENTARY

नशामुक्त गाँव बनाने के लिए चलाया हस्ताक्षर अभियान
(मूण्डला - मध्य प्रदेश)

सूर्या फाउण्डेशन द्वारा मध्य प्रदेश के सीहोर जिले के गाँव मूण्डला में नशामुक्ति अभियान के अंतर्गत घर-घर जाकर हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। जिससे कि लोगों को नशे के प्रति जागरुक किया जाए। क्योंकि नशा आज समाज के लिए इतना बड़ा अभिशाप बन गया है कि आज आपको प्रत्येक परिवार में कोई न कोई नशा करने वाला व्यक्ति मिल ही जाएगा। आज की युवा पीढ़ी नशे के प्रति इतनी आकर्षित हो गई है कि उसको नशे से दूर रखना, सबसे बड़ी चुनौती बन गई है। मंहगाई के इस दौर में भी आज लोग इतने महंगे-महंगे पान मसाला और शराब का सेवन कर रहे हैं। आज लोग नशे के कारण अपने परिवार की चिंता भी नहीं करते। तम्बाकू सेवन से कैंसर जैसी भयानक बीमारियां हो रही है। इससे लोग अपने जीवन से तो हाथ धो ही रहे हैं साथ ही अपने परिवार और आने वाली पीढ़ी को भी आर्थिक रूप से कमजोर कर रहे हैं। लोगों को इस जहर से दूर रखने के लिए फाउण्डेशन समाज में जागरुकता का कार्य कर रही है। आदर्श गाँव योजना को सफल बनाने में नशा मुक्ति अभियान भी एक अहम भूमिका निभाएगा, क्योंकि जब तक समाज नशे में लिप्त रहेगा तब तक वह अपने अच्छे बुरे के बारे में सोच भी नहीं सकता। इसी को ध्यान में रखते हुए सूर्या फाउण्डेशन ने मध्य प्रदेश के सीहोर जिले में अपने कार्ययुक्त गाँव मूण्डला को नशामुक्त गाँव बनाने के संकल्प के साथ काम शुरू किया है। संस्था के कार्यकर्ता गाँव में घर-घर में जाकर नशा करने वाले लोगों से नशामुक्त संकल्प पत्र पर हस्ताक्षर करा रहे हैं और लोगों को नशे से दूर रहने का संकल्प भी दिला रहे हैं। इस अभियान को गाँव वालों का बढ़-चढ़कर समर्थन मिल रहा है। **अब तक हस्ताक्षर अभियान में 180 लोग जुड़ चुके हैं।** गाँव के वरिष्ठ लोग इस अभियान की सराहना कर हर प्रकार की मदद भी कर रहे हैं।

facebook DOCUMENTARY

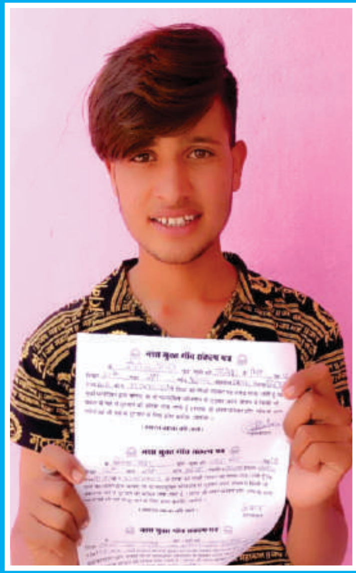

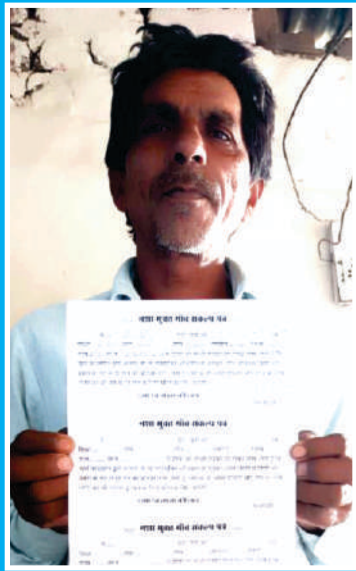

अन्य कार्य

- बच्चों का लघु व्यक्तित्व विकास शिविर आयोजित किया गया जिसमें गाँव के 55 भैया-बहनों ने हिस्सा लिया।
- गाँव में जल संरक्षण अभियान के अंतर्गत नए कुएं का निर्माण कार्य शुरू किया गया।
- मध्य प्रदेश सरकार के जलाभिषेक अभियान के अंतर्गत गाँव की 65 महिलाओं ने जल संरक्षण को लेकर कलश यात्रा निकाली।

पशु चिकित्सा शिविर
(पेण्ड्री – छत्तीसगढ़)

अमृत महोत्सव के अंतर्गत आदर्श गाँव पेंड्री में पशु चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। जिसमें गाय, भैंस एवं बकरी आदि पशुओं का सभी प्रकार का ट्रीटमेंट किया गया। चेचक टीका, पशुओं का गर्मी में बचाव का उचित प्रबंधन, पशुओं के आहार की जानकारी भी दी गयी, जिसमें गाँव के 35 पशुपालकों के 64 पशुओं का डॉक्टर एवं उनकी टीम के द्वारा इलाज किया गया। शिविर का उद्घाटन मां भारती एवं भगवान श्री कृष्ण की फोटो के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया गया, जिसमें डॉक्टर बी.पी. चंद्रकर, श्री के.सी. वर्मा बिल्हरी मुसराकलां, श्री गजेंद्र कुमार यादव मुसराकलां, श्री चुन्नीलाल बंजारे परिचालक कसारी, श्रीमती संध्या वर्मा परिचालक कसारी, श्री तामेश्वर वर्मा (ग्राम प्रधान पेंड्री), श्रीमती मिथिलेश सिन्हा (उपसरपंच पेंड्री), महंत श्री सेवादास जी, श्री कामेश्वर जी (जोन प्रमुख), श्री योगदास साहू जी (आश्रम समिति प्रबंधक), श्री जूराखन साहू जी (सेवाभावी) और श्री दुर्गेश साहू जी (युवा संगठन अध्यक्ष) उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथि डॉ. बी.पी. चंद्राकर जी ने कहा कि पशुओं की देखरेख हमेशा रखनी चाहिए। समय-सयम पर उनकी जांच भी करवानी चाहिए। इस दौरान जिसमें कृत्रिम गर्भाधान के लाभ, गाय एवं भैंस को गर्मी से बचाने के उपाय, बछड़े की देखभाल एवं रोग प्रतिरोधक टीकाकरण की समय सारणी की विस्तार से जानकारी दी गई। हमारे पशुओं का आहार कैसा हो? इसको विस्तार पूर्वक बताया गया। पशुओं की सबसे बड़ी बीमारी का कारण हम स्वयं हैं क्योंकि पशुओं की छोटी-छोटी समस्याओं को अनदेखा करना, बाद में उनके लिए जानलेवा साबित होता है। इसलिए किसी भी प्रकार की पशुओं में चिकित्सा से संबंधित समस्या दिखते ही तो तुरंत अपने नजदीकी चिकित्सक को अवश्य दिखाएं और उससे सलाह करने के पश्चात ही किसी भी प्रकार की दवाई दें।

श्री कामेश्वर जी ने सूर्या फाउण्डेशन का विस्तृत परिचय देते हुए कहा कि 18 राज्यों के 400 से अधिक गाँवों में अमृत महोत्सव के तहत विभिन्न प्रकार के सेवाकार्य किए जा रहे हैं, जिसमें पशु चिकित्सा शिविर, स्वास्थ्य शिविर, किसान गोष्ठी, खेलकूद प्रतियोगिता, कौन बनेगा स्वास्थ रक्षक प्रतियोगिता आदि प्रमुख हैं।

अन्य कार्य

- गाँव में हिंदू नववर्ष पर कलश यात्रा निकाली गयी।
- हनुमान जयंती पर गांव के युवाओं ने हवन पूजन, शोभा यात्रा व भंडारे का आयोजन किया।
- महिला कमांडो का पुनर्गठन कर 25 महिलाओं का रजिस्ट्रेशन कर फॉर्म भरा

facebook

पोस्ट ऑफिस से जुड़ी जानकारियां देने हेतु गोष्ठी
(गोल्लापुरम - आन्ध्र प्रदेश)

सूर्या फाउण्डेशन आदर्श गाँव योजना के अंतर्गत कई आयामों को लेकर गाँव को स्वावलंबी व समृद्ध बनाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। सरकार की सभी योजनाओं का लाभ हर पात्र व्यक्ति को मिले इस हेतु समय-समय पर जन-जागरुकता का कार्य भी किया जाता है। इसी क्रम में गाँव गोल्लापुरम में पोस्ट ऑफिस के अधिकारियों के माध्यम से पोस्ट ऑफिस में उपलब्ध सुविधाओं के बारे में जानकारी देने के लिए इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में डाकघर अधीक्षक महोदया संध्या जी, शिवलाई अध्यक्ष सी.आर. चंद्रपाल, एकल खिड़की अध्यक्ष रंगनाथ जी, कल्याण सहायक वालिसब, सरपंच शिवकुमार जी उपस्थित रहे।

संध्या जी ने बताया कि पोस्ट ऑफिस में डाकघर बचत खाता होता है, जो बैंकों की तरह होता है। डाकघर में बचत खाता खोलने के लिए, कम से कम 500 रुपये जमा करना अनिवार्य है। अधिकतम जमा की कोई सीमा नहीं है, लेकिन रकम 10 के गुणांक में होनी चाहिए। आपके खाते में हमेशा कम से कम 500 रुपए का बैलेंस मौजूद रहना चाहिए। किसी साल में औसत बैलेंस 500 रुपए से कम होने पर 100 रुपए पेनाल्टी के रूप में काटे जाएंगे। बैलेंस शून्य (0) हो जाने पर खाता अपने आप बंद हो जाएगा। बैंकों के सेविंग अकाउंट की तरह, डाकघर बचत खाता के साथ ही आपको एटीएम कार्ड मिलता है, चेकबुक और नेट बैंकिंग की सुविधा भी मिलती है। एक साल में 10 चेक निःशुल्क इस्तेमाल करने की छूट है। इससे ज्यादा होने पर, हर चेक के लिए 2 रुपए शुल्क देना होगा। साथ ही मासिक आय योजना, सामान्य भविष्य निधि, सुकन्या समृद्धि खाता इत्यादि विषयों के बारे में जानकारी दी। इस कार्यक्रम में गांव से 50 लोग उपस्थित रहे।

अन्य कार्य -

- सिलाई केंद्र पर बहनों की मौखिक परीक्षा आयोजित की गई।

मिट्टी के बर्तन बनाने का प्रशिक्षण
(कादीपुर - काशी)

सूर्या फाउण्डेशन - आदर्श गाँव योजना के अंतर्गत चयनित आदर्श गाँव कादीपुर में पांच आयामों के अंतर्गत कार्य किया जा रहा है। जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य, संस्कार, समरसता, स्वावलंबन। जहाँ गाँव में गरीब बच्चों को संस्कार केंद्र के माध्यम से पढ़ाई के साथ-साथ जीवन की उपयोगी संस्कारयुक्त बातें बताई जाती हैं तो वहीं युवाओं को योग एवं खेल के माध्यम से जोड़ने का कार्य किया जा रहा है। सिलाई केंद्र के माध्यम से बहनों को भी स्वावलंबी बनाने का कार्य किया जा रहा है। समय-समय पर सामाजिक कार्यों में भी फाउण्डेशन की भूमिका रहती है।

इसी क्रम में गाँव की महिलाओं को स्वावलंबी बनाने हेतु मिट्टी के बर्तन बनाने का प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया। जिसका उद्घाटन 26 अप्रैल, 2022 को श्री रामदुलार प्रजापति के द्वारा तथा समापन 28 अप्रैल, 2022 को श्री बचाऊ लाल प्रजापति के द्वारा कराया गया। प्रशिक्षक के रूप में श्री बचाऊ लाल प्रजापति ने महिलाओं को मिट्टी के बर्तन बनाने के लिए मिट्टी तैयार करने की विधि बताई। मिट्टी से दीपक, कुल्हड़, कोसा, घड़ा तथा अन्य कई प्रकार के बर्तन बनाने की विधि को बताकर उनसे सामान भी बनवाये गए।

गाँव के प्रजापति समाज की कुल 15 महिलाओं ने प्रशिक्षण लिया तथा आने वाले समय में मिट्टी के बर्तन बनाने का कार्य शुरू कर अपनी आमदनी बढ़ाने का अश्वासन भी दिया। स्वावलंबी बनकर गर्व से जीवन जीने की अनुभुति करेंगी। इससे महिलाओं के लिए रोजगार और आमदनी दोनों में वृद्धि होगी और जीवन सुखमय एवं उज्जवल होगा। ऐसे प्रशिक्षण से स्वरोजगार के अवसर तैयार करना एवं लोग अपने पारंपरिक कार्यों की ओर लौटे यही संस्था का उद्देश्य है।

अन्य कार्य -

- डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की जयंती मनाई गई।
- स्कूल चलो अभियान रैली निकाली गयी।

स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन
(आदर्श जोत - पश्चिम बंगाल)

सूर्या फाउण्डेशन - आदर्श गाँव योजना द्वारा चयनित गाँव आदर्श जोत में **पहला सुख निरोगी काया** कथन को सिद्ध करते हुए नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का उद्घाटन भारत माता के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। शिविर में डॉ. हृदय चक्रवर्ती, डॉ. सुजान मग एवं उनकी सहयोगी टीम ने गाँव के लोगों का कोरोना टेस्ट के साथ बी.पी., शुगर व वायरल बुखार की जांचकर उचित दवाई भी वितरित किया। गाँव के लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरुक करते हुए योग, नैचुरोपैथी चिकित्सा पद्धति के लिए प्रेरित किया गया। इस शिविर में समाजसेविका व अतिथि के रूप में भाजपा की जिला सचिव बबिता छेत्री, सरकारी अध्यापिका बसंती लाम्बा सहित कई अन्य ग्रामीण उपस्थित रहे। इस शिविर के माध्यम से गाँव के 133 लोगों ने स्वास्थ्य जाँच कराकर लाभ लिया। जिसकी सभी ने खूब प्रशंसा की।

अन्य कार्य -

- संस्कार केंद्र पर गीत प्रतियोगिता कराई गई।
- गाँव में स्वच्छता अभियान चलाया गया।
- गाँव के लोगो को सेना द्वारा गाड़ी ड्राईविंग का प्रशिक्षण दिया गया, जिसमें 50 से ज्यादा युवा उपस्थित रहे।

किसानों को किया गया निःशुल्क बीज वितरण
(फफूण्डा - मेरठ)

सूर्या फाउण्डेशन - आदर्श गाँव योजना के अंतर्गत स्वाबलंबन की दिशा में लोगों को स्वरोजगार के प्रति जन-जागरण एवं समय-समय पर प्रशिक्षण का कार्य किया जाता है। इसी क्रम में किसानों की आमदनी बढ़े इसके लिए सूर्या फाउण्डेशन ने गाँव के 50 किसानों को निःशुल्क धान व सब्जियों के उन्नत किस्म के बीज वितरित किए। सूर्या फाउण्डेशन पिछले कई सालों से किसानों की आय में बढ़ोतरी हो इसके लिए उन्नत किस्म के बीज, जैविक कृषि, जल सरंक्षण तथा कृषि से जुड़ी सरकारी योजनाओं आदि के बारे में जागरुक करने का कार्य कर रहा है।

अच्छी फसल के लिए अच्छे बीजों का होना जरूरी है। फसल का अधिकतम लाभ अच्छी गुणवत्ता वाले बीजों का प्रयोग करके ही लिया जा सकता है। ये पंक्तियाँ अमूमन हर कृषि विशेषज्ञ से सुनने को मिल जाएगी। क्योंकि कृषि में जमीन, श्रम, सिंचाई और लागत के बाद सबसे जरूरी चीज है, तो वह है बीज। किसान बीजों के प्रयोग को लेकर जागरुक रहें अच्छा बीज इस्तेमाल करें इस सब को ध्यान में रखते हुए ही ये कार्य संस्था द्वारा किया जा रहा है।

अन्य कार्य -

- कश्यप और कृष्णा स्वयं सहायता समूह की बैठक की गई जिसमें कृष्णा समूह द्वारा आटा चक्की लगाने पर सहमति बनी।
- कम्प्यूटर प्रशिक्षण केंद्र, सिलाई कढ़ाई प्रशिक्षण केंद्र के लिए भैया बहनों का चयन किया गया।
- संस्कार केंद्र व प्राथमिक विद्यालय में कबाड़ से जुगाड़ प्रतियोगिता करवाई गई।

facebook

DOCUMENTARY

गर्मी से बचने के उपाय

- दिन में खूब पानी पीयें, लेकिन भोजन के साथ व तुरन्त बाद नहीं। एक घण्टे बाद पानी पीयें। सुबह उठते ही एक लीटर पानी (उषापान) जरुर पीयें।
- लू के समय सिर और कान ढककर रखें।
- दोपहर के भोजन के साथ मट्ठा (छाछ) भी गर्मी कम करता है।
- मिर्च-मसाले और नमक की मात्रा भोजन में कम से कम हो। तले-भुने भोजन से बचें।
- गर्मी में दिन में भोजन कम करें। हरे पुदीने की चटनी लू से बचाती है।
- सुबह-शाम ठण्डे पानी से नहाना चाहिए। ज्यादा गर्मी में दिन में दो बार ठण्डे पानी से नहा सकते हैं।
- आँखों को जलन से बचाने के लिए तीन बार ठण्डे पानी की छपकी आँखों पर दें।
- तरबूज / खरबूज खाने से गर्मी कम लगेगी। गर्मी में ये अमृत है।
- अंकुरित खाने से ताकत मिलती है साथ ही गर्मी भी कम लगती है। अंकुरित थोड़ा-थोड़ा दोनों समय लें।
- आम का पना, नींबू पानी, चने/जौ का सत्तू, बेल का शर्बत शरीर को गर्मी से बचाता है।
- कच्चा सलाद गर्मी को घटाता है। इसलिए दिन में व सायं दोनों समय भोजन के साथ सलाद जैसे-ककड़ी, खीरा, चुकन्दर, टमाटर, धनिया, पत्तागोभी, पालक के कच्चे पत्ते आदि लेना अच्छा है।
- हल्के कपड़े पहनें। सूती कपड़े में गर्मी कम लगती है।

समाचार पत्रों में चयनित आदर्श गाँव की झलकियाँ

बावड़ी : गोसाईं मंदिर में प्याऊ का उद्घाटन

बावड़ी। क्षेत्र के नांदिया कला स्थित गोसाई जी महाराज के धाम पर गोसाई सेवा समिति द्वारा ठंडे पानी की प्याऊ की व्यवस्था की गई। पुजारी नत्थूनाथ योगी ने बताया कि प्याऊ का शुभारंभ संपतराज सिंघवी अध्यक्ष एसएस जैन संघ साहूकार पेठ चेन्नई तथा सरपंच जसवंतसिंह भाटी ने किया। इस अवसर पर भामाशाह संपतराज सिंघवी ने यात्रियों के बैठने के लिए पत्थर की तीन कुर्सी बनाने की घोषणा की। इस दौरान देवनाथ, वार्ड पंच बाबूलाल सिंघवी, हरिसिंह भाटी, गणपतराम मेघवाल, मनोहरमल शर्मा, धर्मेश राव, भैरूपुरी गोस्वामी, प्रेम दर्जी, पप्पू आदि मौजूद थे।

సమాజానికి తపాలా సేవలు వెలకట్టలేనివి

హిందూపురం (అనంత భూమి) : సూర్య ఫౌండేషన్ వారి ఆధ్వర్యంలో గోళ్ళాపురం గ్రామంలో శుక్రవారం ప్రజలకు భారత తపాలా చేస్తున్న సేవల గురించి అవగాహన సదస్సు జరిగింది. తపాలా శాఖ ప్రజలకు చేస్తున్న సేవలు, అందించిన ప్రయోజనాలు, ఉపయోగాలు గురించి అవగాహన కల్పించడానికి ఆ శాఖ పోస్ట్ మాస్టర్ సంధ్య పలు అంశాలను విసదీకరించారు. ఈ సమావేశంలో సంధ్య గ్రామ ప్రజలకు తమ శాఖ ఉపయోగాలను క్లుప్తంగా వివరించడం జరిగింది. ఈ కార్యక్రమంలో గోళ్ళాపురం శివాలయం చైర్మన్ సి ర్ చంద్రశేఖర్, సింగల్ విండో ఆద్యక్షులు రంగనాథ్, గోళ్ళాపురం సచివాలయం వెల్ఫేర్ అసిస్టెంట్ వలిసబ్, సూర్యఫౌండషన్ ఇంచార్జి వేణు, వైస్ సర్పంచ్ శివకుమార్ గ్రామ ప్రజలు పాల్గొన్నారు.

BOTTOM | NEWS भारतीय नववर्ष के अवसर पर शोभायात्रा तथा धर्मसभा का हुआ आयोजन

जागृत समाज राष्ट्र का मजबूत आधार : संत रामविचार

नवज्योति/सोयला।

नांदिया कला भारतीय नववर्ष के अवसर पर गोसाई युवा समिति के तत्वावधान में शोभायात्रा तथा धर्मसभा का आयोजन किया गया। नववर्ष की पूर्व संध्या पर प्रभात फेरी तथा शोभायात्रा का आयोजन किया गया। जिसमें समस्त ग्राम वासियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। राम दरबार, कृष्णा, भोलेनाथ आदि की झांकियां सजाई गई। इसके साथ ही भजन कीर्तन करते हुए अलग-अलग मंडली साथ चलती रही। सभा को संबोधित करते हुए भगवान राम विभाग शारीरिक शिक्षण प्रमुख ने कहा कि भारतीय नववर्ष का प्रारंभ सृष्टि के प्रारंभ के साथ ही शुरू हुआ था। इस कारण इसको सृष्टि संवत के नाम से भी जानते हैं। इस समय प्रकृति भी अपने जीवन में नवजागरण करती है। इसके साथ ही भगवान झूलेलाल का अवतरण दिवस, दयानंद सरस्वती द्वारा आर्य समाज की स्थापना, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के आद्य सरसंघचालक केशव राव बलिराम हेडगेवार का जन्मदिन है। हम पावन पर्व के अवसर पर संकल्प लें कि सभी भारतवासी मेरे सगे भाई है हम सब आपस में मिलकर मां भारती को विश्व गुरु के सिंहासन पर विराजमान करेंगे।

संत रामविचार महाराज ने कहा कि जागृत समाज ही राष्ट्र का आधार होता है। जब-जब समाज में सुप्त अवस्था में आया देशद्रोह गतिविधियां बढ़ी राष्ट्र विरोधी कार्य बढ़े, परंतु जब समाज अंगड़ाई लेकर खड़ा होता है तो नवीनता का संचार होता है। कार्यक्रम के प्रारंभ में युवा सरपंच जसवंत सिंह भाटी द्वारा रामविचार महाराज का शॉल तथा श्रीफल से स्वागत किया गया। गांव जल संरक्षण पर्यावरण नशा मुक्ति स्वच्छता आदि दिशा में कार्य करने वाले बंधुओं का भी स्वागत किया गया।

ये रहे मौजूद

कार्यक्रम में युवा सरपंच जसवंत सिंह भाटी, पूर्व सरपंच महेंद्र सिंह भाटी, देवी सिंह पूर्व बीईईओ, वार्ड पंच बाबूलाल सिंघवी, राजेंद्र सिंह भाटी, कन्हैया लाल सोनी, प्रेम राव, देवनाथ, चिमना राम कच्छावा गोविंद सिंह पवार, हनुमान राम प्रजापत, भंवर दास वैष्णव, सुखदेव दर्जी, गणपत राम मेघवाल, मातृशक्ति सहित युवा तथा ग्राम वासियों की सहभागिता रही।